सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 323 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 4 जनवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके हैं कि हम एक दूसरे के हैं।

–मदर टेरेसा

पहले दिन बल्लेबाजों के लिये कब्रगाह... 7 | चुनावी साल है, नेता पूछे क्या हाल... 3 | भाजपा सरकार 'डबल दबाव' में... 2

केजरीवाल का बीजेपी पर जोरदार प्रहार, बोले

मेरी ईमानदारी से डरी मोदी सरकार

» सीएम बोले- मुझे बदनाम कर चुनावी प्रचार से रोकने का प्रयास

» भाजपा बोली- अगर आरोप गलत तो कोर्ट जाएं आप संयोजक

» ईडी के सामने न जाने के बाद गरमाई सियासत, चौथा समन भेजने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की आप सरकार और मोदी सरकार के बीच वार-पलटवार का दौर खत्म नहीं हो रहा है। सीएम केजरीवाल द्वारा ईडी के सामने जाने से मना करने के बाद आप व भाजपा में संग्राम छिड़ गया। आप संयोजक ने बीजेपी व ईडी पर कड़े प्रहार किए हैं। उन्होंने साफ साफ तौर पर कहा कि मुझे बदनाम करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया है कि आखिर लोकसभा चुनाव से पहले ही ईडी क्यों बुला रही है? उन्होंने कहा कि भाजपा का मकसद पूछताछ नहीं है, इनका मकसद जांच करना नहीं है, इनका मकसद सिर्फ और सिर्फ यही है कि पूछताछ के लिए केजरीवाल को बुला लो और फिर गिरफ्तार कर लो।

उधर बीजेपी ने कहा कि वह सिर्फ राजनीति कर रहे हैं और लोगों को बरगला रहे हैं। भाजपा नेता विधूड़ी ने कहा कि अगर उन्होंने को भ्रष्टार नही किया है तो वी जांच एजेंसियों के खिलाफ कोर्ट क्यो नहीं जाते हैं। दिल्ली शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक संवाददाता सम्मेलन करके प्रवर्तन निदेशालय पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि कहीं भी एक भी पैसे का लेनदेन नहीं मिला है। कहीं भी कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि घोटाला होता तो पैसा जरूर मिलता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी मुझे गिरफ्तार करना चाहती है। उन्होंने कहा कि मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरी ईमानदारी है।

भाजपा में शामिल नही हुए हमारे नेता तो किया गिरफ्तार : सीएम

केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा कि मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, विजय नायर जैसे नेता जेल में इसलिए नहीं है कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार किया है बल्कि जेल में इसलिए है क्योंकि उन्होंने भाजपा में शामिल होने से इनकार कर दिया था। दिल्ली के सीएम ने कहा कि ईडी का नोटिस पूरी तरीके से गैरकानूनी है। झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे देश आगे नहीं बढ़ सकता है। यह जो कुछ भी चल रहा है, वह देश के लिए खतरनाक है। लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। मैं हमेशा देश के लिए लड़ा हूं। मेरे शरीर में खून का एक-एक कतरा देश को समर्पित है। मैं देश के लिए लड़ता रहता हूं। मैं पूरी की जान से भाजपा के खिलाफ लड़ता रहता हूं।

ईडी ने गिरफ्तारी के दावे को किया खारिज

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापेमारी करने के आप नेताओं के आरोपों को खारिज कर दिया। सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापेमारी करने के आप नेताओं के आरोपों को खारिज कर दिया। जांच एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक आज केजरीवाल के आवास पर छापेमारी की ऐसी कोई योजना नहीं थी। इस बीच, सूत्रों ने कहा कि ईडी दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं होने के कारण पर संघीय एजेंसी को दिए गए केजरीवाल के जवाब की जांच कर रही है और उन्हें चौथा समन जारी किया जाएगा। ज्ञात हो कि आप प्रवक्ता जैस्मीन शाह ने एक्स पर लिखा, सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईडी कल सुबह सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापा मारने जा रही है। उन्हें गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। तीसरे समन में शामिल नहीं होने पर ईडी को संबोधित एक पत्र में केजरीवाल ने यह भी कहा कि वह ईडी द्वारा भेजे गए किसी भी प्रश्नावली का जवाब देने में प्रसन्न होंगे। हालाँकि, उन्होंने नोटिस को अवैध बताया।

आप पर मोहल्ला क्लीनिकों टेस्ट में घोटाले का आरोप

» एलजी ने की सीबीआई जांच की सिफारिश

नई दिल्ली। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक, केजरीवाल सरकार का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है.। इसी तर्ज पर पंजाब में भी छोटे-छोटे क्लीनिक खोले जा रहे हैं। आप सरकार पर मोहल्ला क्लीनिक में होने वाले पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी टेस्ट में घोटाले का आरोप लग रहा है। दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली की केजरीवाल सरकार दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव को निलंबित करने की सिफारिश करेगी। अगस्त 2023 के महीने में कुल 7 मोहल्ला क्लिनिक में कुछ अनियमितताएं पाई गईं। बता दें कि मोहल्ला क्लीनिक में आने वाले मरीज़ों की जाँच कराने का ठेका दिल्ली सरकार ने दो प्राइवेट लैब को दिया हुआ है। अगस्त के महीने में कुल 7 मोहल्ला क्लीनिक में कुछ अनियमितताएं पाई गई। जहां पर स्टाफ पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के आधार पर ग़लत तरीके से अपनी अटेंडेंस लगा रहा था।

गुजरात दौरे पर जाएंगे सीएम केजरीवाल

केजरीवाल आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छह जनवरी से तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात जाएंगे। वह राज्य में कार्यकर्ता सम्मेलन और सार्वजनिक रैली करेंगे। केजरीवाल के मारपीट के एक मामले में जेल में बंद आप विधायक चैतर वसावा और उनके परिवार से भी मिलने की उम्मीद है।

हरियाणा में ईडी ने 20 जगहों पर की छापेमारी, तलाशी जारी

» कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और आईएनएलडी नेता दिलबाग सिंह पर शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को राज्य के यमुनानगर जिले में कथित अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले के तहत हरियाणा कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और पूर्व इनेलो विधायक दिलबाग सिंह और कुछ अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की। सूत्रों ने कहा उन्होंने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत यमुनानगर, सोनीपत, मोहाली, फरीदाबाद, चंडीगढ़ और करनाल में दोनों राजनेताओं और संबंधित संस्थाओं के 20 ठिकानों की तलाशी ली जा रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला पिछले दिनों यमुनानगर और आसपास के जिलों में हुए कथित अवैध खनन की जांच के लिए दर्ज की गई हरियाणा पुलिस की कई एफआईआर से उपजा है। आधिकारिक तौर पर सूचना आने का इंतजार है। वहीं करनाल में बीजेपी नेता मनोज वधवा के घर इडी की छापेमारी की गई। यमुनानगर में खनन का कारोबार है। 2014 में मनोहर लाल के आगे इनेलो से चुनाव लड़ चुके हैं।

सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन ने थामा कांग्रेस का हाथ

» कांग्रेस में किया अपनी पार्टी का विलय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले वाइएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक ने कांग्रेस में अपनी पार्टी का विलय कर दिया है। दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में वाईएस शर्मिला कांग्रेस में शामिल हुईं। वाईएस शर्मिला तेलंगाना के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की छोटी बहन हैं और अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी हैं।

बता दें कि शर्मिला ने इससे पहले बुधवार को इडुपुलापाया की अपनी यात्रा के दौरान कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा की घोषणा की थी ।उन्होंने तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले कहा था, मैं कांग्रेस पार्टी को समर्थन दे रही हूं क्योंकि कांग्रेस पार्टी के पास तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जीतने की संभावना है। केसीआर ने अपने 9 साल के कार्यकाल में लोगों से किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है।

देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी कांग्रेस : शर्मिला

कांग्रेस में शामिल होने पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि आज मैं ङ्घस्ऋतेलंगाना पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय करते हुए बहुत खुश हूं। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि वाईआरएस तेलंगाना (वाईआरएस) पार्टी आज से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रही है।कांग्रेस पार्टी अभी भी हमारे देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है।हाल ही में हुए तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 119 में से 64 सीटें जीतकर पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल किया है। भारत राष्ट्र समिति ने 38 सीटें जीतीं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शर्मिला को लोकसभा चुनाव से पहले और आंध्र प्रदेश राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में एक महत्वपूर्ण पद दिए जाने की संभावना है।

भाजपा सरकार 'डबल दबाव' में फंस गई : अखिलेश यादव

» हिट एंड रन कानून पर रोक लगाने से सपा प्रमुख ने केंद्र को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिट एंड रन कानून को वापस लेने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निशाने पर भाजपा सरकार आ गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है केंद्र सरकार और राज्य की योगी सरकार पर हमला बोले हुए उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- आजकल तथाकथित 'डबल इंजन' की भाजपा सरकार दरअसल 'डबल दबाव' में फंसी सरकार बन गई है।

दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा बीते महीने संसद के शीतकालीन सत्र में नए दंड कानून पास करने के बाद 1 जनवरी 2024 से देश भर में ट्रक और बसों की हड़ताल शुरू हो गई। ट्रक और बस संचालकों का दावा है कि नए दंड कानून में हिट एंड रन से संबंधित प्रावधान, विवादित हैं और उन्हें उचित तरीके से ठीक किया जाना चाहिए।

मंगलवार शाम केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों और ट्रक एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता के बाद हड़ताल वापस ले ली गई है। पूर्व सीएम ने भारतीय जनता पार्टी, भाजपाई एक तरफ़ उनके दबाव में है जिनके फायदे में से फायदा उठाने के लिए वो जनविरोधी क़ानून लाते हैं, दूसरी तरफ जब जनता एकजुट हो जाती है तो भाजपाइयों को जनता के दबाव में अपने फैसले आखिरकार लौटाने ही पड़ते हैं।

भाजपा बन गई ट्रिपल खोपड़ी भंजन की सरकार

सपा नेता ने लिखा सही मायनों में तो तथाकथित डबल इंजन की भाजपा सरकार ट्रिपल खोपड़ी भंजन की सरकार बन गयी है क्योंकि इसमें एक तीसरा पक्ष भाजपा के उन तर्कहीन- विवेकहीन समर्थकों का भी है जो भाजपाई फैसलों और कानूनों को सही साबित करने के लिए हर तरह का कुतर्क करते हैं लेकिन जब भाजपा हार के डर से ये फ़ैसले या कानून वापस ले लेती है तो वो भी भाजपा को खरी-खोटी सुनाते हैं क्योंकि वो कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रह जाते हैं। उन्होंने लिखा- ड्राइवरों को स्टीयरिंग मोड़ना आता है।

देर आए, दुरुस्त आए

योगी के फैसले पर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर खुशी जाहिर की है। योगी सरकार के इस फैसले पर सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर लिखा है कि देर आए, दुरुस्त आए। अखिलेश यादव सीएम योगी के इस फैसले से बेहद खुश नजर आ रहे हैं। लखनऊ में मेट्रो ट्रेन परियोजना की शुरुआत साल 2013 में अखिलेश यादव की सरकार ने की थी। साल 2017 में विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने दो स्टेशनों के बीच मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन किया था। गौरतलब हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में क बैठक में लखनऊ, आगरा और कानपुर मेट्रो की समीक्षा की। योगी आदित्यनाथ ने इस बैठक में राजधानी लखनऊ में मेट्रो के विस्तार के निर्देश दिए। जिस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है।

भगवान राम शाकाहारी नहीं थे : आव्हाड

» गांधी और नेहरू की वजह से ही मिली आजादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। श्रीकांत पुजारी की गिरफ्तारी पर मचा सियासी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन सबके बीच शरद पवार वाली एनसीपी के नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने भगवान राम को मांसाहारी बताया है। महाराष्ट्र` शिरडी में आव्हाड ने कहा कि भगवान राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे।

जो व्यक्ति 14 साल तक जंगल में रहेगा वो शाकाहारी भोजन खोजने कहां जाएगा? उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या यह सही बात है या नहीं? उन्होंने कहा, कोई कुछ भी कहे, सच्चाई यह है कि हमें आजादी गांधी और नेहरू की वजह से ही मिली। यह तथ्य कि इतने बड़े स्वतंत्रता आंदोलन के नेता गांधी जी ओबीसी थे, उन्हें (आरएसएस को) स्वीकार्य नहीं है। उनके इस बयान के बाद भाजपा और एनसीपी के अजित पवार गुट के कार्यकर्ताओं ने आव्हाड के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी प्रभु श्रीराम की तस्वीर भी लाए थे। उन्होंने जितेंद्र आव्हाड मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस घटना के बाद जितेंद्र आव्हाड के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं भाजपा विधायक राम कदम ने पुलिस को एक शिकायती पत्र देकरद्र आव्हाड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

झूठ बोल रहे हैं सीएम : नारायण

» टैक्स बंटवारे पर उत्तर बनाम दक्षिण करने पर भाजपा नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूरू। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के टैक्स बंटवारे को लेकर केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोप पर भाजपा ने पलटवार किया है। कर्नाटक भाजपा के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम अश्वथ नारायण ने बताया कि केंद्र सरकार ने साल 2014-2024 के दौरान कर्नाटक को 2,82,791 करोड़ रुपये दिए हैं, जो कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान दिए गए पैसों से 245.7 प्रतिशत ज्यादा है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था। इस पोस्ट में सीएम ने लिखा था कि कर्नाटक का टैक्स का हिस्सा साल दर साल घट रहा है।

कर्नाटक के लोगों द्वारा दिया जा रहा टैक्स का पैसा उत्तरी राज्यों के साथ साझा किया जा रहा है। पीएम मोदी को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने लिखा कि कर्नाटक के साथ यह अन्याय क्यों हो रहा है।

भारत संकल्प यात्रा पर हमला भाजपा ने बीजेडी पर लगाया आरोप

भुवनेश्वर। ओडिशा में दिन-दहाड़े मोदी सरकार की सफल योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने वाले वाहन को अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़ दिया। घटना ओडिशा के भद्रक जिले की है। पुलिस का कहना है कि सुबह करीब 11 बजे धामनगर में भाजपा विधायक सूर्यबंशी सूरज के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम हो रहा था। कार्यक्रम में बड़ी मात्रा में भाजपा समर्थक शामिल हुए थे। इसी वक्त किसी अज्ञात ने गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। धामनगर थाना प्रभारी फणींद्र भूषण नायक ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। विधायक ने घटना का विरोध किया और धामनगर पुलिस थाने के सामने धरना प्रदर्शन किया। विधायक ने ट्वीट कर कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी बीजद की साजिश है। केंद्र सरकार की पहल को निशाना बनाना राज्य सरकार की कमी को दर्शाता है। यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह निराशाजनक है।

नीतीश की नाराजगी की खबरें निराधार

» अखिलेश प्रसाद बोले- लोस चुनाव में बीजेपी की हार तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डा. अखिलेश प्रसाद सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाराजगी की चर्चा निराधार है। सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहले करने वाले नीतीश नाराज हो ही नहीं सकते। ज्ञात हो कि इंडी गठबंधन में नीतीश कुमार की नाराजगी को लेकर चर्चा जोरों पर है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार कांग्रेस के रवैये से खुश नहीं हैं। कुछ दिन पहले भी नीतीश कुमार ने कांग्रेस के जातीय गणना पर लिए गए स्टैंड को लेकर नाराजगी जताई थी।

अब सीएम की इसी नाराजगी को लेकर कांग्रेस का बयान सामने आया है। साथ ही कांग्रेस ने बताया है कि नीतीश कुमार इंडी गठबंधन में कितने पावरफुल हैं। कांग्रेस नेता

अखिलेश प्रसाद सिंह ने बता दिया कि इंडी गठबंधन में नीतीश कुमार कितने पावरफुल हैं? उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में नीतीश कुमार की भूमिका पहले से ही बड़ी है। वह इसके सूत्रधार हैं। नीतीश कुमार के हर फैसले का सम्मान किया जाता है और आगे भी किया जाएगा। वे दृढ़ निश्चय व पक्के इरादे वाले राजनेता हैं। अखिलेश सिंह ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में भाजपा की हार तय है। नरेंद्र मोदी की जगह कोई दूसरा प्रधानमंत्री बनेगा।

कभी-कभी चीजें गुब्बारे की तरह छोड़ी जाती हैं : तेजस्वी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन को दोहराने के जवाब में, राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने टिप्पणी की कि 2024 के लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दे फिर से सामने आएंगे। पिछले महीने, शाह ने दोहराया था कि सीएए के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता क्योंकि यह देश का कानून है। बिहार के नेता ने कहा कि कभी-कभी चीजें गुब्बारे की तरह छोड़ी जाती हैं लेकिन कुछ नहीं होता है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दे सामने आएंगे। जानकारी के मुताबिक एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के नियमों को लोकसभा चुनाव की घोषणा से काफी पहले अधिसूचित किया जाएगा। पदाधिकारी ने कहा, हम जल्द ही सीएए के लिए नियम जारी करने जा रहे हैं। एक बार नियम जारी होने के बाद, कानून लागू किया जा सकता है और पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता दी जा सकती नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए सीएए के नियमों का उद्देश्य बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों - जिनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं - को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है।

सरकार ने युवाओं के साथ किया छल : रालोद

» लोकसभा चुनाव का शंखनाद मेरठ से 7 जनवरी को करेंगे जयंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह मेरठ से लोकसभा चुनाव का शंखनाद करेंगे। सात जनवरी को होने वाली युवा संसद को सफल बनाने के लिए पार्टी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष विधायक चंदन चौहान ने कहा कि आने वाली सात जनवरी को मेरठ की धरती पर चौधरी जयंत सिंह युवाओं के हितों की बात करेंगे।

राष्ट्रीय सचिव एवं सीसीएसयू के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष डॉ. कुलदीप उज्जवल ने कहा कि युवा देश की रीढ़ की हड्डी हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने युवा को छलने का काम किया है लेकिन, इस बार युवाओं की भूमिका अग्रणी रहेगी। चंदन चौहान ने कहा कि युवा संसद का मुख्य विषय बेरोजगारी रहेगा। दो करोड़ को नौकरी देने के वायदे किए गए थे, भर्ती में गलत नीति अपनाई जा रही है। ये तमाम मुद्दे युवा संसद में उठाए जाएंगे।

चुनावी साल है, नेता पूछे क्या हाल है

लोस चुनाव पर नजर, सियासी दलों ने कसी कमर

- मुद्दों की तलाश में जुट गए नेता
- कांग्रेस की बीजेपी को घेरने की तैयारी
- भाजपा फिर से राम के सहारे
- अमित शाह से मिलीं अनुप्रिया पटेल

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

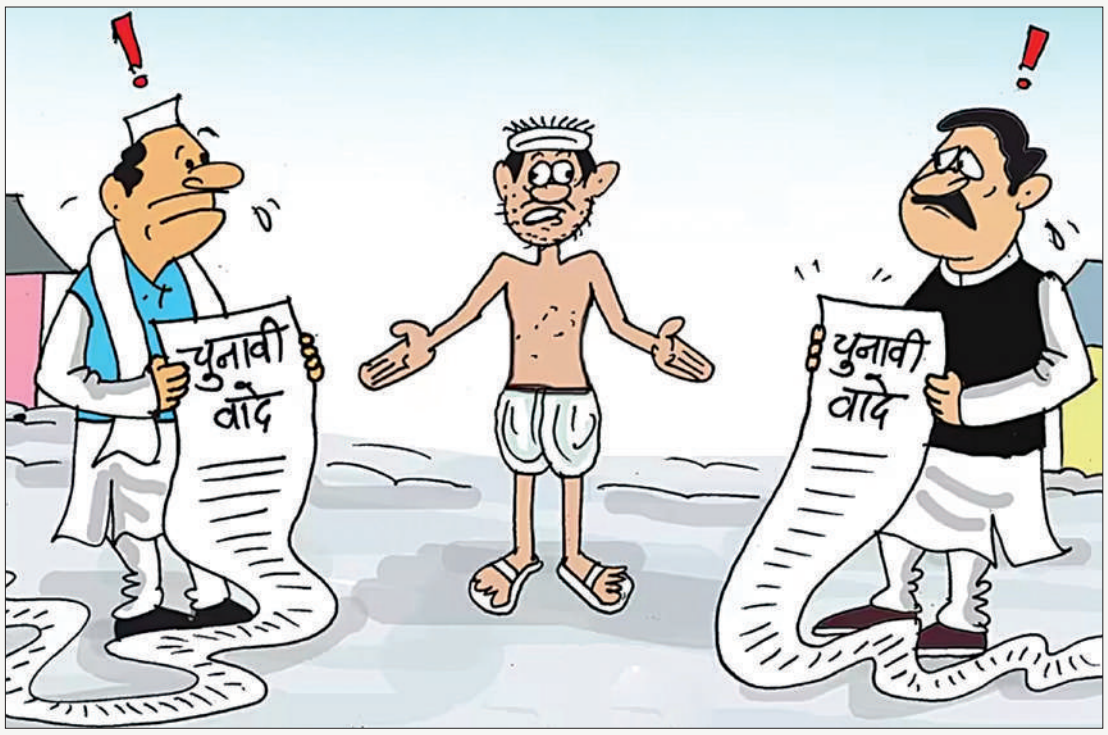

नई दिल्ली। ये चुनावी साल है। मुद्दे भरे पड़े हैं। पर ऐसा लगता है कि सियासत के पास केवल धर्म व जाति पर ही सवाल है। जहां सत्ता से जुड़े लोग साढ़े चार साल सत्ता सुख की मलाई चाटने में जनता की सुध लेना भुल गए थे वह अब जनता से जुड़े सरोकारों पर विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मो पर उठाने को बेताब दिखने लगें है। सरकार में बैठी भाजपा राम मंदिर के उद्घाटन को बड़ा बनाकर उसे राजनीतिक लाभ लेने के फिराक में लग गई है। उधर विपक्षी पार्टियां भी अपने कीलकांटे दुरुस्त करने में लगीं हुई हैं। कांग्रेस, सपा, बसपा, राजद,शिवसेना यूबीटी,जदयू एनसीपी, आप व टीएमएसी से लेकर दक्षिण भारत की प्रमुख पार्टियों ने मोदी सरकार को घेरने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। विपक्ष की योजना है कि वह आगामी लोक सभा चुनाव में जनता से जुड़े मुद्दों को जोर-शोर से उठाकर बीजेपी सरकार को घेरेगी।

वहीं लोकसभा चुनाव से पहले मेल-मुलाकात का दौर शुरू हो गया है। जहां दोनों गठबंधनों के सहयोगी एक दूसरे से मिलकर आगामी चुनाव की चर्चा भी करने लगें। इसी बीच केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की नेता अनुप्रिया पटेल ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की और नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इस मुलाकात को उन्होंने शिष्टाचार भेंट बताया है। लेकिन लोकसभा चुनाव इस मुलाकात को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। अनुप्रिया पटेल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह से नववर्ष के अवसर पर आत्मीय मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, लोकसभा चुनाव की तैयारियों सहित वंचित वर्गों के हितों से जुड़े अहम विषयों पर लंबी और सकारात्मक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, लोकसभा चुनाव की तैयारियों सहित वंचित वर्गों के हितों से जुड़े अहम विषयों पर लंबी और सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने आगे लिखा कि चर्चा के दौरान विशेष रूप से राज्य में 69 हजार शिक्षकों की नियुक्ति के संदर्भ में एक बार फिर से गंभीर और सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार वंचित वर्गों के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इसके अलावा उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और नववर्ष की उनको शुभकामनाएं दी। सीएम योगी के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से एक पोस्ट की गई। जिसमें अनुप्रिया पटेल ने सीएम योगी से मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। लखनऊ में आयोजित नववर्ष मिलन समारोह में अनुप्रिया पटेल ने कहा कि आज यूपी में अपना दल (एस) तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है. पार्टी के 13 विधायक, दो सांसद और एक विधान परिषद के सदस्य हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए 18 मंडल कमेटियों का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 13 जिलों के कार्यकारी जिलाध्यक्षों को दोबारा से जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

चुनाव नजदीक आते ही आएंगे हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दे : तेजस्वी

पिछले महीने, गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया था कि सीएए के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता क्योंकि यह देश का कानून है। इस पर बिहार डिप्टी सीम तजस्वी यादव ने कहा है कि कि कभी-कभी चीजें गुब्बारे की तरह छोड़ी जाती हैं लेकिन कुछ नहीं होता है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दे सामने आएंगे।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन को दोहराने के जवाब में, राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने टिप्पणी की कि 2024 के लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दे फिर से सामने आएंगे।

नीतीश की भूमिका और बढ़ेगी

कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया है कि इंडी गठबंधन में नीतीश कुमार कितने पावरफुल हैं? उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में नीतीश कुमार की भूमिका पहले से ही बड़ी है। वह इसके सूत्रधार हैं। नीतीश कुमार के हर फैसले का सम्मान किया जाता है और आगे भी किया जाएगा। वे दृढ़ निश्चय व पक्के इरादे वाले राजनेता हैं। अखिलेश सिंह ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में भाजपा की हार तय है। नरेंद्र मोदी की जगह कोई दूसरा प्रधानमंत्री बनेगा। केंद्र सरकार ने ईडी व सीबीआइ को विरोधी पक्ष के नेताओं की आवाज बंद करने पर लगा रखा है। देश में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ।

योगी सरकार के फैसले से गदगद हुए अखिलेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बैठक में लखनऊ, आगरा और कानपुर मेट्रो की समीक्षा की। योगी आदित्यनाथ ने इस बैठक में राजधानी लखनऊ में मेट्रो के विस्तार के निर्देश दिए। जिस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई हैं। योगी के फैसले पर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर खुशी जाहिर की है। योगी सरकार के इस फैसले पर सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर लिखा है कि देर आए, दुरुस्त आए। अखिलेश यादव सीएम योगी के इस फैसले से बेहद खुश नजर आ रहे हैं। लखनऊ में मेट्रो ट्रेन परियोजना की शुरुआत साल 2013 में अखिलेश यादव की सरकार ने की थी। साल 2017 में विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने दो स्टेशनों के बीच मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन किया था।

प्रशांत किशोर ने लालू-नीतीश को घेरा

जनसुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर आए दिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमो लालू यादव पर कटाक्ष करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ, वह बिहार में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और पलायन को लेकर भी नेताओं को खूब सुनाते हैं। हाल ही में एक मंच को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार को सुधारने के लिए कोई मंगल ग्रह से आएगा? यह कभी संभव है? तमिलनाडु, गुजरात और पंजाब को वहां के लोगों ने आगे बढ़ाया है। बिहार को सुधारने के लिए लोग पंजाब से नहीं आएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए, इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के जरिए ऐसे लोगों को समाज से आगे लाने का काम किया जा रहा है, जो अपने बच्चों के लिए बिहार में एक नई व्यवस्था बनाना चाहते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि आप चुनाव, समीकरण, संसाधन और रणनीति का चिंता मत कीजिए, उसके लिए आपका बेटा प्रशांत खड़ा है, आप केवल अपने बच्चे के भविष्य की चिंता कीजिए। गांव गांव जाकर लोगों से कहिए कि शिक्षा और रोजगार पर वोट दीजिए। इसके अलावा प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार के पत्रकारों को नीतीश कुमार बहुत बड़े तोप दिखते हैं। उन्होंने कहा कि 42 विधायकों वाले दल के नेता जो कभी उछलकर कमल के साथ कभी लालटेन के साथ सरकार बनाते हैं, उन्हें यह पता नहीं कि कल वो कहां रहेंगे, उनको देश में कौन नेता बना रहा है, ये सिर्फ बिहार के पत्रकारों को पता है। उन्होंने कहा कि जो विपक्ष की राजनीति है, उसमें सबसे बड़ा दल कांग्रेस है, चाहे जीते या हारे। इसके बाद तृणमूल और तीसरे नंबर पर डीएमके है। जदयू को कौन पूछ रहा है? ये तो अपने मुंह मियां मिट्ठू होने वाली बात है। प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू यादव कहते हैं कि देश का प्रधानमंत्री नीतीश जी होंगे, तो लालू जी के पास कितने सांसद हैं? जिस पार्टी का एक भी सांसद लोकसभा में नहीं है, वह देश का पीएम चुन रहा है। उन्होंने कहा कि जो देश का पिछड़ा राज्य है, जो बेरोजगारी, पलायन और गरीबी के लिए मशहूर है। तो क्या बाहर के लोग यहां के नेता को स्वीकार कर पाएंगे?

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कानून से पहले हर पहलू को नजर में रखे सरकार

मोटर चालकों से जुड़े 'हिट-एंड-रन' दुर्घटना मामलों पर नए दंड कानून के प्रावधान पहली नजर में सही जान पड़ते हैं। पर जब उसके तह में जाते हैं तो एक डरावनी बात सामने आती है। इसमे सबसे कड़ा प्रवाधान ये है कि एक्सीडेंट मामले में ड्राईवर को जहां दस साल की सजा व सात लाख जुर्माने का प्रावधान किया है। उसका एक पहलू तो यह है इस कानून के डर से ड्राईवर सड़कों पर अनुशासित वाहन चलाएंगे पर दूसरा पहलू यह है कि कोई भी वाहन चालक जानबूझकर दुर्घटना नहीं करते है वो अक्समात होता है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि दस साल की सजा के बाद उस वाहन चालक के परिवार का क्या होगा जो उस घर का एक कमाने वाला होता। कुल मिलाकर सरकार को हर पहलू पर सबसे विचार विमर्श के बाद ही इस कानून को लागू करना चाहिए था। खैर इस कानून के खिलाफ दो दिन से हड़ताल कर रहे ट्रक ड्राइवरों और सरकार के बीच सुलह हो गई, जिसके बाद हड़ताल वापस लेने पर सहमति बन गई। सरकार ने अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बात की। जिसके बाद ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने ड्राइवरों से हड़ताल खत्म करने और काम पर लौटने की अपील की।

हालांकि उन्होंने कहा है कि सरकार के साथ बातचीत जारी रहेगी।'हिट-एंड-रन (दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाना) मामलों के लिए नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जेल और जुर्माने की सज़ा के कड़े प्रावधान हैं, जिसके खिलाफ कुछ ट्रक, बस और टैंकर संचालकों ने सोमवार को तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की थी। गृह सचिव ने एआईएमटीसी के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद कहा,सरकार यह बताना चाहती है कि ये नए कानून और प्रावधान अभी लागू नहीं हुए हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (2) को लागू करने का निर्णय ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के परामर्श के बाद ही लिया जाएगा।भारतीय न्याय संहिता के अनुसार,जो कोई भी लापरवाही से वाहन चलाकर किसी व्यक्ति की मौत का कारण बनता है, जो गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में आता है, और घटना के तुरंत बाद किसी पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को इसकी सूचना दिए बिना भाग जाता है, उसे दस साल तक के कारावास की सजा होगी और 7 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा। नए कानून में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (1) और 106 (2) है, जो इस तरह के गैरइरादतन हत्या के अपराध में लगती हैं. इसके मुताबिक अगर किसी व्यक्ति से गलती से एक्सीडेंट होता है, और वो घायल को अस्पताल लेकर जाता है या पुलिस/मजिस्ट्रेट को तुरंत सूचित करता है, तो ये बीएनएस की धारा 106 (1) के अन्तर्गत आएगा, जो जमानती होगा। इसमें अधिकतम 5 साल तक की सजा का प्रावधान है। कहा जा रहा है कि इससे लोग अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे और लोगों की जान बच पाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में कहा है कि वाहन चालक जो लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं और सड़क पर दुर्घटना करके, जिसमें किसी की मौत हो जाती है वहां से भाग जाते हैं, ऐसे लोगों पर कार्रवाई सख्त होनी चाहिए।

"'हिट-एंड-रन (दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाना) मामलों के लिए नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जेल और जुर्माने की सज़ा के कड़े प्रावधान हैं, जिसके खिलाफ कुछ ट्रक, बस और टैंकर संचालकों ने सोमवार को तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की थी। गृह सचिव ने एआईएमटीसी के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद कहा, सरकार यह बताना चाहती है कि ये नए कानून और प्रावधान अभी लागू नहीं हुए हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पूर्वोत्तर में शांति के प्रयासों को मिली गति

शशिधर खान

नया साल पूर्वोत्तर शांति के लिए शुभ माना जा सकता है क्योंकि 2023 समाप्त होते-होते असम और उत्तर पूर्वी राज्यों में 40 वर्षों से हिंसा का पर्याय बने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के साथ त्रिपक्षीय समझौता शांति के एक नए युग की शुरुआत है। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम (एनएससीएन-आईएम) को छोड़ दें तो उल्फा के साथ शांति समझौते के बाद पूर्वोत्तर में हिंसा और अलगाववाद पर आधारित उग्रवाद का लगभग खात्मा होने का विश्वास है। नागालैंड और मणिपुर में सक्रिय एनएससीएन के बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र का सबसे मजबूत और खूंखार उग्रवादी गुट उल्फा का नेटवर्क असम ही नहीं समूचे पूर्वोत्तर तक पसरा हुआ था। इसलिए उल्फा के साथ शांति समझौता सही मायने में ऐतिहासिक और बहुत बड़ी उपलब्धि है।

यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के अस्तित्व में आने की कहानी 1980 के दशक के असम छात्र आंदोलन के समय से जुड़ी है। हिंसा की बदौलत 'स्वाधीन असोम' की मांग भारत सरकार से मनवाने के लिए 1979-80 में उल्फा की नींव रखी गयी। असम छात्र आंदोलन की आड़ में यह ऐसा उग्रवाद पनपा, जिसे भारत राष्ट्र से अलग 'स्वाधीन असोम' चाहिए था, जहां असमिया के अलावा कोई अन्य न रहे। यह अच्छा संयोग रहा कि 29 दिसंबर को दिल्ली में हुए त्रिपक्षीय समझौते के समय उल्फा के संस्थापक अरविंद राजखोबा मौजूद थे, जो अभी-भी उल्फा के प्रमुख हैं। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले को अन्य उल्फा नेता अनूप चेतिया और सशाधर चौधुरी भी संस्थापकों में से हैं। यह त्रिपक्षीय समझौता केंद्र, राज्य सरकार और उल्फा नेताओं के बीच हुआ है। ये लोग हिंसा छोड़कर भारतीय संवैधानिक दायरे के अंतर्गत राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल होने को राजी हुए हैं। वर्ष 2009 में बांग्लादेश से प्रत्यर्पण संधि के बाद इन उल्फा नेताओं को भारत लाया गया। पहले कुछ दिन हिरासत में रखा गया, फिर शांति वार्ता शुरू हुई। 2011 से शांति वार्ताओं की जानकारी आने लगी। खुफिया अधिकारियों के प्रयास विफल होने के बाद असम के गणमान्य नागरिकों की भी मदद मिल गयी, जिसमें प्रख्यात असमिया लेखिका ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता इंदिरा गोस्वामी भी शामिल थीं। मगर कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में उत्तर पूर्व में

शांति और विकास के क्रम में 9 शांति समझौते उल्लेखनीय हैं, जो पूर्वोत्तर शांति वार्ता में कई दशकों से रोड़े थे। 2019 में इसकी शुरुआत त्रिपुरा के एनएलएफटी (नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) से हुई। उसके बाद 2020 का बोडो और ब्रू समझौता, 2021 में कर्बी एंग्लोंग, 2022 का आदिवासी समझौता के अलावा मणिपुर के सबसे पुराने उग्रवादी गुट युनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ समझौता (2023) गिनाया जा सकता है। असम-मेघालय और असम-अरुणाचल सीमा विवाद कई वर्षों से हिंसक झड़पों का कारण बना हुआ था। 2023 में इस पर भी केंद्र ने राज्य सरकारों में सहमति बनायी। शुरू से ही वार्ता विरोधी उल्फा संस्थापकों में से एक परेश बरूआ के बारे में कोई पक्की सूचना नहीं है कि वह अपनी हिंसक गतिविधियां म्यांमार से चलाता है या बांग्लादेश से। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उल्फा के विषय में रिपोर्ट थी कि इसका अड्डा बांग्लादेश में है। 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव से मिलने अपने गुप्त अड्डे से निकलकर उल्फा नेतागण दिल्ली आए थे, यह जानकारी अभी समझौते के समय असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दी। उनसे पहले असम के मुख्यमंत्री रहे सर्वानंद सोनोवाल (अभी केंद्रीय मंत्री) उल्फा नेताओं को गुवाहाटी से लेकर 29 दिसंबर को दिल्ली आए थे। 2011 में जब उल्फा के राजखोवा गुट की केंद्र से वार्ता शुरू हुई तो गुवाहाटी से उल्फा नेताओं से मिलकर दिल्ली लौटी लेखिका इंदिरा गोस्वामी ने असम भवन में बातचीत के दौरान मुझसे कहा- 'दोनों पक्षों में से किसी को पीपुल्स कन्सलटेटिव ग्रुप (पीएसजी) पर भरोसा नहीं है। वार्ता बिना शर्त शुरू होने की बात थी और उल्फा तथा केंद्र दोनों अपनी-अपनी शर्तों में ही उलझे रहे।' पीएसजी का गठन इंदिरा गोस्वामी की अध्यक्षता में असम के गणमान्य नागरिकों को मिलाकर उल्फा को केंद्र के साथ वार्ता के टेबल पर आने के लिए किया गया था। केंद्र के वार्ताकार पूर्व खुफिया प्रमुख पीसी हलदर को उल्फा का विश्वास जीतने में सफलता नहीं मिली। उस समय तक यही चर्चा थी कि उल्फा को बांग्लादेश और म्यांमार से शह मिलती है। प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के शासनकाल के दौरान भूटान सरकार की मदद से उल्फा पर काबू पाने में काफी हद तक सफलता मिली। असम हिंसा का अगर छात्र आंदोलन के समय से जिक्र करें तो उबरे असम गण परिषद उभरे नेता सत्ता में आए। मगर जनता का विश्वास नहीं रख पाए और उल्फा के प्रति नरम बने रहे।

बड़ा खतरा नहीं मगर सतर्कता जरूरी

ज्ञानेन्द्र रावत

देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के देशों से निगरानी बढ़ाने का आग्रह किया है। संगठन ने दुनिया के देशों को चेताया है कि कोरोना का उप-स्वरूप जे एन-1 तेजी से उभर रहा है और इसमें उतनी ही तेजी से बदलाव हो रहे हैं। इसलिए सभी देश इस बाबत जानकारी लगातार आपस में साझा करते रहें। देश में अब तक पिछली कई लहरों में मिलाकर कोरोना से 5,33,332 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। तकरीब साढ़े चार करोड़ से भी ज्यादा लोग कोरोना से प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा चिंता तो कोरोना के सब वैरिएंट जे एन-1 की है जिसकी चपेट में आने वालों की तादाद तेजी से बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो देश में साल के अंत में उत्तर भारत की तुलना में कोरोना के मरीजों की तादाद में दक्षिण भारत में ज्यादा बढ़ोतरी सामने आ रही है।

कोरोना का यह नया वैरियंट कई देशों में संक्रमण वृद्धि का कारण बन रहा है। आशंका है कि यह नया वैरियंट पिछले वैरियंट के मुकाबले ज्यादा संक्रामक हो सकता है। सबसे खराब हालत तो रूस की है, उसके बाद नम्बर सिंगापुर और फिर इटली का है। वह बात दीगर है कि दिल्ली स्थित आयुर्विज्ञान संस्थान के डाक्टरों का दावा है कि इससे लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना के ऐसे वैरिएंट और लहरें तो आगे भी आयेंगी। लेकिन धीरे-धीरे ग्रुणता और इससे होने वाली मृत्यु दर में कमी आती जायेगी। इसलिए सतर्क रहने की जरूरत है। यह भी सत्य है कि डेल्टा जैसा खतरनाक वायरस नहीं आयेगा। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि कोरोना के वायरस मानव शरीर में मजबूती से जीवित रहने या अपना स्वरूप बदलने की कोशिश जरूर करेंगे। ऐसे हालात में जिन लोगों की जीवनशैली बेहतर होगी, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होगी। नया शोध तो यह भी दावा कर रहा है कि देश में लगभग 93 फीसदी लोगों में कोरोना से लड़ने वाली एंटीबाडी मिली है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि यह नया वायरस ओमिक्रान वायरस से मिलता-जुलता है।

हकीकत यह है कि कोरोना का नया वैरियंट जेएन-1 ओमिक्रान सबवैरियंट बीए 2.86 का वंशज है। यह वैरियंट सितम्बर महीने में अमेरिका में सामने आया था। दिसम्बर महीने के आखिरी हफ्ते में तकरीबन 50 फीसदी से अधिक मरीज वहां के अस्पतालों में भर्ती हुए हैं। रायटर्स की मानें तो 15 दिसम्बर को चीन में इस वैरियंट के सात मामले सामने आये थे। सीडीसी के अनुसार भले ही वैरियंट के नाम अलग-अलग दिखते हों, लेकिन स्पाइक प्रोटीन में जेएन-1 और बीए 2.86 के बीच केवल एक ही बदलाव है। इसीलिए केन्द्र सरकार ने समय रहते सतर्कता बरतने और राज्य सरकारों को तत्काल नमूने इकट्ठे करने के निर्देश दे दिए हैं। देश में सबसे पहले कोरोना ने केरल में ही अपने पैर पसारे थे। वह मौसम भी सर्दियों का ही था। इसलिए मौसमी बदलावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उस हालत में जबकि इन दिनों मौसमी अनियमितताएं काफी असर दिखा रही हैं। ऐसे माहौल में यह मौसमी बदलाव बीमारियों की जड़ हैं जो इनकी बढ़ोतरी का अहम कारण है। फिर दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु में पिछले दिनों हुई भीषण बारिश ने अपना रौद्र रूप दिखाया है, जिसके चलते राहत एवं बचाव के लिए सेना भी बुलानी पड़ी थी। ऐसी स्थिति में कोरोना के साथ-साथ महामारी का अंदेशा और बढ़ जाता है। हृदय रोगियों को ऐसे हालात से बचाव बेहद जरूरी है।

दिल्ली स्थित एम्स का एक अध्ययन यह साफ कर चुका है कि जो लोग कोविड-19 के ज्यादा गंभीर शिकार रहे हैं, उनको अधिक श्रम नहीं करना चाहिए और इस बारे में दी गयी चेतावनियों का संजीदगी से पालन करना चाहिए। वह बात दीगर है कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान से अब हमने स्वास्थ्य ढांचे में काफी सुधार किया है। सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है लेकिन इस सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि चिकित्सा सुविधाओं से वंचित दुनिया की एक बड़ी आबादी हमारे देश की है। नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कोविड टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष राजीव जयदेवन के अनुसार सात महीने के अंतराल के बाद भारत में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। जेएन-1 तेजी से फैलने वाला वैरियंट है और यह बाकी वैरियंट्स के संस्करणों से काफी अलग है। कहने को तो इसके लक्षणों में बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और पेट से जुड़ी परेशानी अहम हैं। इसके अधिकांश रोगियों में हल्की सांस सम्बंधी दिक्कतों का अनुभव होता है, जो आमतौर पर चार से पांच दिनों में ठीक हो जाता है। डब्ल्यूएचओ ने इसे वैरियंट आफ इंटरेस्ट नाम दिया है और कहा है कि इससे वैश्विक स्वास्थ्य के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पाल की मानें तो इस वैरियंट से कोरोना के टीके लगवा चुके लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

भले डब्ल्यूएचओ इसे वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से कम घातक करार दे, लेकिन उत्तरी गोलार्द्ध में सर्दियों की शुरुआत के साथ ही इसकी वजह से सांस सम्बंधी समस्याओं में इजाफा होने से खतरा बढ़ रहा है। मौजूदा हालात इस मामले में समय रहते उपचार की जरूरत पर बल देते हैं। सबसे बड़ी बात दूसरे देशों से आने वाले लोगों की निगरानी बेहद जरूरी है। ध्यान रहे कि कोरोना के खात्मे के बाद देश में अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौट आने, उसमें तेजी आने, समूची दुनिया में आवागमन में तेजी आने और यात्राओं के दौर में दिनोदिन बढ़ोतरी से बीमारियों के देश में आने की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता। साथ ही इस खतरे से बचाव की सतर्कता सबसे बड़ी शर्त है। यह यात्रा में सावधानी और संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में समुचित प्रचार व प्रसार से ही संभव है।

नाश्ते में बनाएं लहसुन का पराठा सर्दी के मौसम में बच्चे खूब करेंगे पसंद

सर्दी के मौसम में हम कुछ ऐसा खाना चाहते हैं, जो गर्म होने के साथ ही हेल्दी भी हो और सर्दियों में आसानी से पच भी जाए आदि। ऐसे में लोग सर्दी में सुबह के नाश्ते में पराठे खाना ज्यादा पसंद करते हैं। कोई आलू का तो कोई प्याज का और कोई गोभी का तो कोई पनीर का पराठा खाता है। पर आप चाहें तो इस सर्दी के मौसम में लहसुन के पराठे का सेवन कर सकते हैं। दरअसल, लहसुन सेहत के लिए फायेदमंद होता है और सर्दियों में इसे खाने के अनेक फायदे हैं। यकीन मानिए अगर आप एक रेसिपी के जरिए इसे बनाते हैं, तो बच्चे भी इस लहसुन के पराठे को पसंद कर सकते हैं।

सामग्री

अगर आपको लहसुन का पराठा बनाना है, तो आपको इसके लिए सबसे पहले लहसुन की कलियां चाहिए, फिर आटा चाहिए, हरी मिर्च, घी या तेल, नमक, काली मिर्च, अजवाइन और गर्म मसाला आदि चाहिए।

विधि

लहसुन पराठा बनाने के लिए सबसे पहले लहसुन छील लें और बारीक काट लें। फिर हरी मिर्च को धोकर बारीक काट लें। अब कटे हुए लहसुन और हरी मिर्च को मिलाकर उसमें नमक और अजवाइन डालें और फिर एक बार सभी को मिला लें। फिर आपको लहसुन की स्टफिंग तैयार करनी है। इसके बाद आटा गूंथे और इसमें नमक, मिर्च, अजवाइन, गर्म मसाला और काली मिर्च पाउडर डालकर मिला लें। फिर आटे को 10 मिनट सेट होने के लिए छोड़ दें। फिर 10 मिनट बाद हल्का तेल लगाकर आटे को चिकना कर लें। अब छोटी लोई बनाएं और इन्हें थोड़ा सा बेल लें। बेलने के बाद लोई में लहसुन की स्टफिंग भरें। फिर आटे को बंद करके गोल टिक्की का शेप देकर रोटी शेप में बेल लें इसके बाद इसे तवे पर चढ़ाएं और दोनों तरफ पकाकर घी लगाएं और फिर एक बार और पका लें। अब आपका लहसुन पराठा तैयार है, इसे चटनी के साथ सर्व करें।

घर पर तैयार करें आलू का हलवा

जो लोग खाने के शौकीन होते हैं, वो कई नई-नई जगहों पर जाकर स्वादिष्ट खाने का स्वाद लेते हैं। किसी को इंडियन, किसी को चाइनीज तो किसी को देसी स्टाइल में बना खाना काफी पसंद आता है। वहीं, दूसरी तरफ सर्दियों में लोग गर्म चीजें खाना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो सर्दियों में आलू का हलवा बनाकर खा सकते हैं। दरअसल, सर्दियों में आलू का सेवन फायेदमंद माना जाता है। इसलिए अगर आप भी आलू का हलवा खाना चाहते हैं, तो आपको इसके लिए किसी रेस्टोरेंट जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप घर पर ही कुछ मिनटों में इसे बना सकते हैं।

सामग्री

आलू का हलवा बनाने के लिए आपको ये चीजें चाहिए। इसमें आपको बादाम, घी, दूध, काजू, आलू, चीनी, किशमिश और हरी इलायची (पीसी हुई) चाहिए।

विधि

अगर आप भी इस सर्दी में घर पर ही स्वादिष्ट आलू का हलवा बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको सबसे पहले आलू को उबाल लेना है। इसके बाद इन उबले आलू को छीलकर मैश कर लें। फिर आपको आलू का हलवा बनाने के लिए एक बर्तन चाहिए। इसमें आपको घी डालकर गैस पर गर्म करना है। अब आपको गर्म घी में मैश किए हुए आलू को डाल लेना है। इसके बाद 2 से 4 मिनट तक इसे पकाएं। फिर आलू को चलाते रहें, ताकि ये तले पर लगे नहीं, इसके बाद आलू में चीनी और दूध डाल लें। फिर इन सभी चीजों को अच्छे से मिला लें और अब 5-7 मिनट तक पकाना है। फिर ऊपर से सूखे मेवे और इलायची पाउडर डाल लें। इसके बाद स्वादिष्ट आलू का हलवा परोसने के लिए तैयार है।

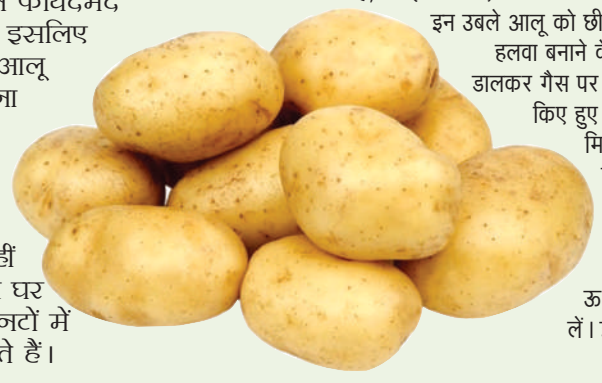

हंसना मना है

डॉक्टर- अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज- जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर- जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? पेशंट- पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ- सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबंड- तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फूल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू से इंटरव्यू पूछा गया- बताओ वो कौन सी औरत हैं जिसको पता होता है की उसका हसबंड कहा हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला- विधवा औरत।

पापा- नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा- मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नही कर सकते।

कहानी

हाथी और बकरी

एक जंगल में एक हाथी और एक बकरी रहते थे। दोनों बहुत पक्के दोस्त थे। दोनों साथ में मिलकर हर दिन खाने की तलाश करते और साथ में ही खाते थे। एक दिन दोनों खाने की तलाश में अपने जंगल से बहुत दूर निकल गए। वहां उन्हें एक तालाब दिखाई दिया। उसी तालाब के किनारे एक बेर का पेड़ था। बेर का पेड़ देखकर हाथी और बकरी बहुत खुश हुए। वह दोनों बेर के पेड़ के पास गए, फिर हाथी ने अपनी सूंड से बेर के पेड़ को जोर से हिलाया और जमीन पर ढेर सारे पके हुए बेर गिरने लगे। बकरी जल्दी-जल्दी गिरे हुए बेरों को इक्ट्ठा करने लगी। संयोगवश उसी बेर के पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला भी था, जिसमें चिड़िया का एक बच्चा सो रहा था और चिड़िया दाने की खोज में कहीं गई हुई थी। बेर का पेड़ जोर से हिलाने के कारण चिड़िया का बच्चा घोंसले से बाहर तालाब में गिर पड़ा और डूबने लगा। चिड़िया के बच्चे को डूबता हुआ देखकर उसे बचाने के लिए बकरी तालाब में कूद गई, लेकिन बकरी को तैरना नहीं आता था। इस वजह से वह भी तालाब में डूबने लगी। बकरी को डूबता हुआ देखकर हाथी भी तालाब में कूद गया और उसने चिड़िया के बच्चे और बकरी, दोनों को डूबने से बचा लिया। इतने में चिड़िया भी वहां पर आ गई थी और वह अपने बच्चे को सही-सलामत देखकर बहुत खुश हुई। उसने हाथी और बकरी को इसी तालाब और बेर के पेड़ के पास रहने के लिए कहा। तब से हाथी और बकरी भी चिड़िया के साथ उस बेर के पेड़ के नीचे रहने लगे। कुछ ही दिनों में चिड़िया का बच्चा बड़ा हो गया। चिड़िया अपने बच्चे के साथ जंगल में घूम कर आती थी और हाथी और बकरी को जंगल में किस पेड़ पर फल लगे हैं, इसकी जानकारी देती थी। इस तरह हाथी, बकरी, और चिड़िया मजे में रहते और खाते-पीते थे।

7 अंतर खोजें

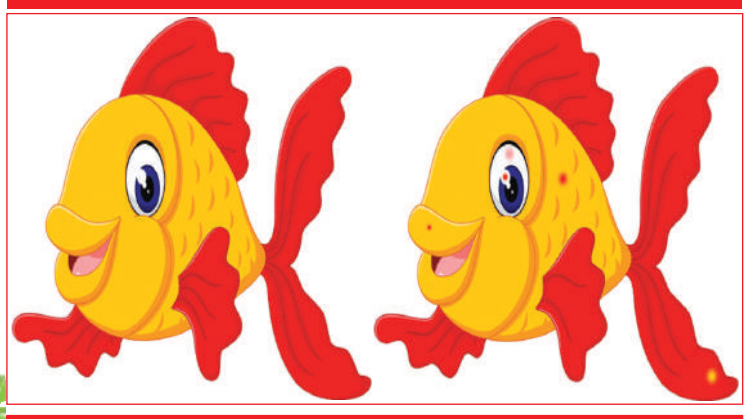

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी।

वृषभ

यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें।

मिथुन

किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

सिंह

बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

तुला

बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

वृश्चिक

घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जल्दबाजी न करें। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी।

मकर

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कुम्भ

नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा।

मार्च में करण संग सात फेरे लेंगी सुरभि चंदना

शादियों का सीजन अब भी जारी है। आम लोगों के अलावा मशहूर फिल्मी हस्तियां भी अपने पार्टनर के साथ सात जन्मों के बंधन में बंध रही हैं। पिछले कुछ समय से आमिर खान की बेटी आयरा खान और नुपुर शिखरे की शादी को लेकर काफी चर्चा है। अब इस कड़ी में एक और नाम जुड़ता दिख रहा है। खबर आ रही है कि टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने भी शादी करने का फैसला कर लिया है। इसके बाद से ही उनके चाहने वाले काफी उत्साहित हो गए हैं।

हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरभि काफी समय से बिजनेसमैन करण शर्मा को डेट कर रही हैं। अब दोनों ने अपने इस रिश्ते को शादी का नाम देने का फैसला कर लिया है। बताया जा रहा है कि सुरभि और करण पिछले 13 सालों से रिलेशनशिप में हैं। खबरों की माने तो अब कपल इसी साल मार्च के अंत तक शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, अब तक सुरभि की ओर से शादी की खबरों पर मुहर भी नहीं लगाई गई है।

2022 में ऑफिशियल किया रिश्ता

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो सुरभि और करण की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए एक पार्टी में हुई थी। इसके बाद से ही दोनों साथ हैं। हालांकि, लंबे समय तक सुरभि ने अपने इस रिश्ते को फैंस और मीडिया से छिपाकर रखा, लेकिन 2022 में उस समय उनका रिलेशनलशिप सामने आ गया, जब एक्ट्रेस ने 9 सितंबर को एक पोस्ट में करण को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इन शोज में दिख चुकी हैं सुरभि

गौरतलब है कि सुरभि का करियर सुपरहिट शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से शुरू हुआ। इसके बाद भी वह कई शोज का हिस्सा बनीं। हालांकि, असली पहचान उन्हें इश्कबाज के दौरान मिली। इसके अलावा सुरभि के करियर को पंख देने वाले शोज में नागिन 5 और शेरदिल शेरगिल भी शामिल हैं

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्मों की ब्रांडिंग पर खुद पैसे खर्च करते हैं करण जौहर !

करण जौहर बॉलीवुड के सबसे सफल निर्देशकों में से एक हैं। बी-टाउन में उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उन्होंने हाल ही में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी सफल फिल्म दी है। करण जौहर अपनी हर फिल्म से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता ने बताया कि वह अपनी फिल्में हिट कराने के लिए किस हद तक जाते हैं। अपनी फिल्म हिट कराने के लिए सेलिब्रिटी और मेकर्स तरह-तरह के पैंतरे अपनाते हैं। वह कई बार अपने फैंस से मिलते हैं तो कभी-कभी कुछ ऐसा भी कर जाते हैं जो कि चर्चा का विषय हो जाता है। करण जौहर ने हालिया इंटरव्यू में कहा, यदि आप ध्यान दें, जो लोग सिनेमाघरों के बाहर वोक्स पॉप करते हैं, जो बात करने के लिए चल रहे हैं, वे सभी सबसे सनसनीखेज बातें कहना चाहते हैं। असली दर्शक हाथ से निकल कर दूर चले गए हैं, लेकिन कुछ लोग इसलिए जोर-शोर से रिएक्शन दे रहे हैं क्योंकि वे वायरल होना चाहते हैं। अब, वायरल होने के लिए, वे हमसे बकवास कर रहे हैं। करण ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह उन फिल्मों के रिव्यू जरूर पढ़ते हैं, जिन्हें वह निर्देशित या निर्मित करते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कुछ आलोचकों के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान है, लेकिन उन्हें दिक्कत तब होती है जब लोग कहानी खुद लिखना शुरू कर देते हैं। उन्होंने कहा, 'यह हमारी कहानी है। आप इसकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन आप अपना स्क्रीनप्ले रिव्यु में क्यों लिख रहे हैं? 'ऐसा होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं है.' करण ने कहा कि उन्हें तब भी समस्या होती है जब समीक्षक लोगों से कुछ फिल्में न देखने के लिए कहते हैं. 'एक समीक्षक के रूप में आपका काम हमें अपनी आलोचना करना या तारीफ करना है, लेकिन आपको फिल्म देखने का विकल्प दर्शकों पर छोड़ना होगा.'

'एनिमल पार्क' में जिंदा होकर लौटेगा बॉबी देओल का किरदार!

बॉबी देओल को 2023 में एनिमल के रूप में एक बड़ी सौगात मिली। यह बॉबी के करियर में मील का पत्थर साबित हुई है। फिल्म में बॉबी के किरदार को अबरार नाम के खलनायक के रूप में दिखाया गया है। हालांकि, उन्हें दर्शकों का इतना प्यार मिल रहा है कि अब फिल्म के सीक्वल में भी दर्शक उन्हें इसी अंदाज में पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। हालांकि, एनिमल में बॉबी के किरदार की मौत हो चुकी है।

अब एनिमल के सीक्वेल एनिमल पार्क को लेकर ताजा खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म का अगला भाग भी बहुत एक्शन से भरपूर होगा। हालांकि, इसमें इमोशन्स जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। इस बार

मेकर्स फिल्म को फैमिली ऑडियन्स के लिए बना रहे हैं, ताकि हर वर्ग के लोग साथ बैठकर यह फिल्म देख पाए। इसके अलावा खबर है कि एनिमल के सीक्वल में बॉबी के किरदार को फिर जिंदा दिखा दिया जाएगा।

बता दें कि एनिमल के क्लाइमेक्स के साथ एनिमल पार्क को लेकर मेकर्स ने जानकारी दे दी थी। इसमें सीक्वल का पोस्ट क्रेडिट सीन दिखाया गया था, जिसमें रणबीर कपूर के हमशक्ल की एंट्री होती है। अबरार की मौत के बाद उसका भाई रणविजय से बदला लेने के लिए उसी की शक्स की प्लास्टिक सर्जरी करवा लेता है। ऐसे में एनिमल पार्क में रणबीर का तो डबल रोल दिखेगा ही, साथ ही बॉबी देओल की एंट्री दर्शकों के लिए सोने पर सुहागा होगी। हालांकि, इन खबरों पर कितनी सच्चाई है इसका खुलासा हो वक्त के साथ ही होगा।

अजब-गजब | विदेश नहीं बल्कि भारत में ही है ये जगह

बादलों के बीच बसा है ये गांव गहरी घाटियां मोह लेतीं हैं मन

अगर आपको भी घूमने का शौक है। कहीं जाने की प्लानिंग कर रहे हैं। किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां खूबसूरत वादियां हों, तो आज हम आपको एक गांव की सैर कराने जा रहे हैं। बादलों के बीच बसा ये गांव बेहद खूबसूरत है। तीन ओर गहरी घाटियां, कल-कल बहती नदियों का शोर, चहकते पक्षियों का कलरव आपका मन मोह लेगा। ये एक ऐसी जगह है जहां बादलों को टक से छूकर आप वापस आ सकते हैं। यह इतना खूबसूरत है कि इसके आगे स्विटजरलैंड भी फेल लगेगा। कोई विदेश में नहीं, ये जगह भारत में ही मौजूद है।

हम बात कर रहे मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स क्षेत्र में बसे नोंगजोंग गांव की। यहां इंसान बादलों के बीच रहते हैं और मौसम बेहद सुहावना होता है। शिलांग से लगभग 60 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में जाने की चाहत हर किसी की होती है। टूरिस्ट यहां ट्रैकिंग करना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। ट्रेडिशनल लाइफस्टाइल के लिए मशहूर इस गांव के लोगों का आतिथ्य सत्कार देखकर आप गदगद हो

जाएंगे। हरी-भरी पहाड़ियों, प्राचीन झरनों और चमचमाती नदियों से घिरा हुआ यह गांव मेघालय के सबसे सुंदर टूरिस्ट प्लेस में से एक है।

नोंगजोंग गांव में सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा अद्भुत होता है। इसे देखने के लिए हर साल हजारों टूरिस्ट यहां पहुंचते हैं और बादलों के बीच कुछ समय आनंद में बिताते हैं। यहां जाकर आपको लगेगा कि आप बादलों की गोद में बैठे हुए हैं। धरती कहीं भी नजर नहीं आएगी। कुछ लोग कहते हैं कि आपको भोर का अनुभव लेने के लिए तड़के 2:30 बजे शिलांग से निकलना चाहिए, क्योंकि शिलांग से यहां तक पहुंचने में आपको 2 घंटे से भी ज्यादा समय लग सकता है।

खास बात, इस इलाके में कोई स्ट्रीट लाइट, साइन बोर्ड, पेट्रोल पंप और यहां तक कि गूगल मैप का सहारा भी नहीं मिलेगा। सड़कों पर आपको रास्ता बताने वाला भी कोई नहीं मिलेगा। अंधेरे कोहरे में घाटियों में घुमावदार मार्ग है, इसलिए बेहतर होगा कि आप एक दिन पहले शाम को ही यहां पहुंच जाएं। पूरी रात इस खूबसूरत गांव में बिताएं। यहां के पारंपरिक भोजन का आनंद लें। संगीत सुनें। लोगों के बीच बातचीत में समय बिताएं। इससे बेहतर आनंद आपको कहीं नहीं मिलेगा। यहां जाने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी के बीच रहता है। तब इस गांव का मौसम सबसे सुहावना होता है। गर्मी के दिनों में दिन के समय कुछ गर्मी आपको महसूस होगी।

ये है दुनिया का इकलौता देश, 80 हजार के करीब है आबादी, नहीं है आर्मी और एयरपोर्ट!

दुनिया में इतने देश हैं, सभी एक दूसरे से किसी न किसी वजह से अलग हैं। पर आज हम आपको एक ऐसे अनोखे देश के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया का ऐसा इकलौता देश है, जहां की आबादी 100 प्रतिशत पढ़ी-लिखी है, लेकिन उनके पास ना ही आर्मी है और ना ही कोई एयरपोर्ट है। हम बात कर रहे हैं एंडोरा की जो यूरोप का एक देश है और ये दुनिया के सबसे छोटे देशों में शामिल है। इस देश की आबादी दिल्ली शहर से भी कम है। वर्ल्ड ओ मीटर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 तक यहां की कुल आबादी 80 हजार के करीब है। इसका क्षेत्रफल 468 स्क्वायर किलोमीटर है। ये फ्रांस और स्पेन के बीच पायरनीज़ पहाड़ों पर बसा है और ये एक प्रिंसिपैलिटी देश है। यहां के स्कीं रिजॉर्ट दुनिया में फेमस है। फर उन रिजॉर्ट का आनंद लेने के लिए अगर आपको यहां जाना है, तो दूसरे देश में उतरना पड़ेगा। असल में इस देश के पास अपना एयरपोर्ट नहीं है। वो इसलिए क्योंकि ये देश पहाड़ों पर है, तो एयरपोर्ट बनाने की जगह यहां पर नहीं है। सबसे नजदीकी एयरपोर्ट का नाम Andorra-La Seu Airport (LE) है जो La Seu d' Urgell नाम के एक शहर में है। ये शहर स्पेन का हिस्सा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस देश की 100 फीसदी आबादी पढ़ी-लिखी है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार एंडोरा की पूरी आबादी पढ़ी लिखी है। हालांकि, ये डेटा 2016 का बताया गया है। एंडोरा से जुड़ी एक और खास बात ये है कि इस देश की अपनी सेना नहीं है। एंडोरा पार्टनर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार देश के पास आर्मी नहीं है ना ही किसी तरह की आर्म्ड फोर्स है। इन्होंने सुरक्षा के लिए स्पेन और फ्रांस से समझौता किया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रथम विश्वयुद्ध से पहले इस देश के पास 600 लोगों की सेना हुआ करती थी जो पार्ट टाइम सैनिक थे। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इस देश में जीवन प्रत्याशा काफी ज्यादा है और उन देशों की सूचि में शामिल है जहां लाइफ एक्सपेक्टेंसी ज्यादा मानी जाती है। यहां पुरुष 81.6 साल तक जीते हैं और महिलाएं 86 साल तक। एंडोरा देश में यूरोप का सबसे ऊंचा गोल्फ कोर्स है जो समुद्र तल से 2250 मीटर की ऊंचाई पर बना है। गोल्फ कोर्स तक जाने के लिए गोल्फर्स को केबल कार का प्रयोग करना पड़ता है।

'चुनावों से पहले ध्रुवीकरण करना चाहती है बीजेपी'

» जयराम बोले- सीएए को हथियार बनाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। एक दिन पहले, गृह मंत्रालय के अधिकारी ने बताया था कि लोकसभा चुनावों से ठीक पहले सीएए की अधिसूचना जारी की जाएगी। मंत्रालय के इसी बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता ने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी हर बार चुनाव से पहले ध्रुवीकरण करने की कोशिश करती है। इस बार भी लोकसभा से ठीक पहले सीएए की अधिसूचना जारी करना स्पष्ट करता है कि सीएए मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने का हथियार है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने दिसंबर 2019 में संसद में विवादास्पद कानून पेश किया था। संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार, कानून को लागू करने के नियम छह माह के भीतर लागू हों, लेकिन सरकार ने नौ बार विस्तार मांगा और उन्हें इसकी अनुमति

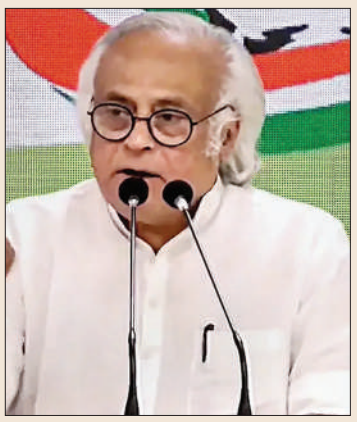

भी मिल गई। अब मंत्रालय ने जानकारी दी कि कानूनों के नियमों को लोकसभा चुनावों से पहले अधिसूचित किया जाएगा। इससे अब यह स्पष्ट हो गया है कि कानून शुरू से ही मतदाताओं के ध्रुवीकरण का हथियार था। इससे पहले, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा था कि देश के संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता निहित है और ऐसे देश में धर्म नागरिकता का आधार नहीं हो सकता। मैंने दिसंबर 2019 में भी लोकसभा में इसी आधार पर बिल का विरोध किया था।

क्रोनी कैपिटालिज्म के विरुद्ध जारी रहेगी लड़ाई

कांग्रेस ने अदाणी समूह के लेन-देन से संबंधित कुछ मामलों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सेबी के लिए असाधारण उदार साबित हुआ है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि साठगांठ वाले पूंजीवाद (क्रोनी कैपिटालिज्म) और उसका कीमतों, रोजगार व असमानताओं पर दुष्प्रभाव के विरुद्ध पार्टी की लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस संचार प्रभारी जयराम रमेश ने अदाणी पर निशाना साधते हुए कहा, जब हम उन लोगों से सत्यमेव जयते सुनते हैं, जिन्होंने पिछले दशक में सिस्टम के साथ खिलवाड़ किया है, हेरफेर किया है और उसे नष्ट कर दिया है, तो सत्य हजारों मौत मर जाता है। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह द्वारा लेनदेन से संबंधित कुछ मामलों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सेबी के लिए असाधारण उदार साबित हुआ है, कम से कम 14 अगस्त, 2023 की उसकी मूल जांच समयसीमा और तीन महीने बढ़कर तीन अप्रैल, 2024 तक हो गई है। रमेश ने कहा, यह उल्लेखनीय है कि सेबी सुप्रीम कोर्ट की विशेषज्ञ समिति के कहने के 10 महीने बाद भी अदाणी समूह और उसके सहयोगियों द्वारा प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन और स्टाक में हेरफेर की अपनी जांच पूरी करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के अलावा अगले तीन महीनों में क्या बदलेगा।

16 केसों में आरोपी है श्रीकांत पुजारी : गृह मंत्री परमेश्वर

कर्नाटक में बाबरी विध्वंस से जुड़े 31 साल पुराने केस में एक कारसेवक को गिरफ्तार किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने प्रतिक्रिया दी है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शख्स की गिरफ्तारी को बीजेपी द्वारा तूल दिए जाने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वह कारसेवक नहीं था और उसके खिलाफ 16 मामले दर्ज हैं। गृह मंत्री परमेश्वर ने बताया कि एफआईआर और अन्य दस्तावेजों में श्रीकांत पुजारी का नाम कारसेवक के रूप में दर्ज नहीं है बल्कि उसका नाम एक आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है और उसके खिलाफ 16 मामले दर्ज हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री ने इस मामले को लेकर बीजेपी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है, वो ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रही है जो कानून का पालन नहीं कर रहा है और उसके खिलाफ 16 मामले दर्ज हैं। मुझे नहीं पता कि भाजपा को क्या हो गया है। श्रीकांत पुजारी के मामले का तब पता चला, जब पुराने केसों को खत्म करने के आदेश दिए गए थे।

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की ताक में भाजपा

कांग्रेस नेता यतींद्र ने कहा कि धर्म के नाम पर तानाशाही ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान को दिवालिया बना दिया है। भाजपा के सहयोगी संगठन भारत को हिंदू राष्ट्र बनान के ताक में हैं। यदि ऐसा होने दिया गया तो हमारा देश भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान बन जाएगा।

कर्नाटक में हो सकती है गोधरा जैसी घटना : हरिप्रसाद

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने दावा किया कि अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह से पहले कर्नाटक में गोधरा जैसी घटना हो सकती है। कांग्रेस नेता ने कर्नाटक सरकार को सतर्क रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार को सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि उसी दौरान गुजरात के गोधरा में कार सेवकों को आग लगा दी गई थी। 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड ने गुजरात को सबसे भयावह सांप्रदायिक दंगों की आग में झोंक दिया था। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा, यहां भी ऐसी ही (गोधरा जैसी) स्थिति बन सकती है। इसलिए कर्नाटक में किसी भी तरह की अप्रिय घटना होने की गुंजाइश भी नहीं होनी चाहिए। अयोध्या जाने के इच्छुक लोगों के लिए तमाम व्यवस्थाएं की जानी चाहिए ताकि हमें कर्नाटक में एक और गोधरा न देखना पड़े। उन्होंने आरोप लगाया (ऐसी घटना की) पूरी संभावना है और मैं जानकारी भी दे सकता हूं। मैं आपको बता सकता हूं कि कई संगठनों के प्रमुख कुछ राज्यों में गए और कई भाजपा नेताओं को उकसाया। मैं यह बात खुलकर नहीं कह सकता। वे ऐसा कर रहे हैं। वे इस तरह के कृत्य के लिए उकसा रहे हैं।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह पर एक लाख का जुर्माना

» लखनऊ की अदालत ने सुनाया फैसला

» तत्कालीन जलशक्ति मंत्री पर सोशल मीडिया पर डाले थे पोस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पर लखनऊ की जिला अदालत ने एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। सिविल जज सीनियर डिवीजन ने अपने आदेश में कहा है तत्कालीन जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह के विरुद्ध जितने भी ट्वीट्स और सोशल मीडिया पर उन्हें बदनाम करने वाले सभी वीडियो और पोस्ट हटाने का भी आदेश दिया है।

कोर्ट ने संजय सिंह के विरुद्ध आदेश देते हुए कहा है की जुर्माने की राशि दो माह के भीतर याची महेंद्र सिंह को दें अन्यथा ब्याज के साथ जुर्माने की राशि वसूली जाएगी। ज्ञात हो की महेंद्र सिंह के जलशक्ति विभाग के मंत्री के कार्यकाल के दौरान सांसद संजय सिंह ने उनके ऊपर भ्रष्टाचार और घोटाले के झूठे आरोप लगाए थे। तत्कालीन मंत्री महेंद्र सिंह

ने स्थानीय जिला अदालत में संजय सिंह के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। कोर्ट में संजय सिंह की तरफ से कोई सबूत या दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए सख्त आदेश दिया है। सांसद संजय सिंह फिलहाल मनी लांड्रिंग के मामले में तिहाड़ जेल में है। ताजा फैसले से पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह को बड़ी राहत मिली है। उन पर लगे कोई भी आरोप प्रमाणित करने के लिए संजय सिंह दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर पाए। महेंद्र सिंह को तमाम आरोपों से क्लीन चिट मिली। वो निर्दोष और निष्कलंक बनकर निकले। कोर्ट ने आठ पेज के आदेश में मानहानि के प्रकरण पर काफी तल्ख टिप्पणियां भी दर्ज की हैं और तत्काल प्रभाव से सोशल मीडिया पर संजय सिंह और उनकी पार्टी द्वारा जितने भी वीडियो और पोस्ट किए गए हैं उन्हें हटाने का आदेश दिया है।

मानव दिवस पर 18 विभूतियों का सम्मान हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नववर्ष को विश्व मानव संघ ने मानव दिवस के रूप में मनाया तथा देश एवं विदेश में समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली18 विभूतियों को 26 वें अन्तर्राष्ट्रीय जुनूं अवार्ड- 2023 से नवाजा गया व नागरिक अभिनंदन किया गया। इस उक्त जानकारी संघ के अध्यक्ष प्रवीण भूषण श्रीवास्तव ने दी।

इस अवसर पर प्रतिभाशाली बच्चों को भी सम्मानित किया गया। श्री भूषण ने बताया कि मानव दिवस प्राणी एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कवि अशोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा रचित पुस्तक मन्थरा का विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि नरेश शंकर श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय जुनूं अवार्ड से प्रत्येक वर्ष समर्पित और कठिन परिश्रम से आगे आने वाले कलाकारों, लेखकों, समाज सेवियों एवे साहसिक कार्य करने वालों को विश्व मानव संघ सम्मानित करता है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को नहीं मिली राहत

» लोकसभा से निष्कासन पर सुप्रीम कोर्ट का रोक लगाने से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में लोकसभा से निष्कासित टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने निष्कासन के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि महुआ का संसद से निष्कासन बना रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल उनको अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती। ये मामला इतना आसान नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने महुआ की संसद कार्यवाही में हिस्सा लेने की इजाजत देने की अर्जी को ठुकरा दिया।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट मोइत्रा के निष्कासन के खिलाफ अर्जी का परीक्षण करेगा। अदालत ने लोकसभा के महासचिव को नोटिस जारी कर मामले पर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई 11 मार्च को होगी। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को 8 दिसंबर को पेश की गई कैश फॉर क्वेरी में

एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा के बाद लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। महुआ मोइत्रा की तरफ से वकील अभिषेक मनु सिंघवी आज कोर्ट में पेश हुए। वकील सिंघवी ने कहा कि महुआ को केवल अपनी लॉगिन आईडी शेयर करने की वजह से निष्कासित किया गया है। उन्होंने कहा कि रिश्वत के आरोपों पर गौर करना होगा। वहीं अदालत ने महुआ मोइत्रा से पूछा कि क्या वह हीरानंदानी के साथ ओटीपी साझा करने की बात स्वीकार करती हैं। वहीं सिंघवी ने कहा कि ये सब सासंद अपने सचिवों के साथ करते हैं।

पहले दिन बल्लेबाजों के लिये कब्रगाह बनी पिच

» दूसरे टेस्ट में भारत-दक्षिण अफ्रीका के 23 विकेट गिरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 3 जनवरी से केप टाउन में दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट खेला जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 55 रन पर 10 विकेट गंवाकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद भारत की पूरी टीम पहले दिन ही 153 रन पर पवेलियन लौट गई। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले दिन कुल 23 विकेट गिरे। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2011 में केप टाउन में ही टेस्ट के दूसरे दिन 23 विकेट गिरे थे।

मेन्स क्रिकेट में केप टाउन में एक टेस्ट मैच में यह पहले दिन गिरने वाले सबसे

ज्यादा विकेट हैं। इससे पहले 1902 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन सबसे ज्यादा 25 विकेट गिरे थे। 153 के स्कोर पर भारत ने अपने 6 विकेट गंवाए। यह पहली बार है जब टीम ने एक ही स्कोर पर किसी टेस्ट की पारी में 6 विकेट गंवाए हैं। भारत ने 11 गेंदों में 6 विकेट गंवाए। यह किसी टीम द्वारा टेस्ट की एक पारी में 6 बल्लेबाजों का विकेट गंवाने के बीच खेली गई सबसे कम गेंदे हैं। इससे पहले 4 अलग-अलग पारियों में 27 सबसे कम खेली गई गेंदे थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली पारी 349 गेंदों में सिमट गई, जो किसी टेस्ट मैच की एक पारी में खेली गई दूसरी सबसे कम गेंदें हैं। इससे पहले मेलबर्न में 1902 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की पारी 287 गेंदों में खत्म हुई थी। यह 8वां ऐसा टेस्ट मैच है, जिसमें पहले दिन ही तीसरी पारी शुरू हो गई। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पिछले 70 सालों में यह दूसरा पुरुष टेस्ट मैच है, जिसकी तीसरी पारी का आगाज पहले दिन हुआ। इससे पहले लार्ड्स के मैदान में इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच 2019 में ऐसा हुआ था। ट्रिस्टियन स्टब्स दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में दो बार अपना विकेट गंवाया। इससे पहले इंग्लैंड के विकेटकीपर हैरी बट ने 1896 में गकेबरहा टेस्ट के पहले दिन दो बार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में आउट हुए थे। भारत 9.4 ओवर के साथ पहली पारी में बढ़त हासिल की, जो पुरुषों टेस्ट मैच में किसी भी टीम के लिए सबसे कम हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 11.2 ओवर में बढ़त हासिल की थी, जो केप टाउन में ही थी। उन्होंने 2005 में जिम्बाब्वे के खिलाफ और 2013 में न्यूजीलैंड के खिलाफ यह कारनाम किया था।

बंगाल में किसी भी कीमत में सीएए लागू नहीं होने देंगे : शशि पांजा

» तृणमूल कांग्रेस के बयान पर भाजपा का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। लोकसभा चुनाव से पहले सीएए नियमों की अधिसूचना जारी होने की खबर को खारिज करते हुए पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि राज्य में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लागू नहीं होगा। उसने आरोप लगाया कि संसदीय चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने की मंशा से ऐसी अटकलें लगायी जा रही हैं।

उधर पांजा के बयान पर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता सामिक भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस पर वोटबैंक राजनीति के चलते सीएए का विरोध करने का आरोप लगाया। ज्ञात हो कि पिछले सप्ताह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया था कि सीएए का क्रियान्वयन अपरिहार्य है क्योंकि यह देश का कानून है। कोलकाता में भाजपा की एक बैठक के दौरान शाह ने बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया था।

उधर एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को कहा था कि संशोधित नागरिकता कानून, 2019 के नियम लोकसभा चुनाव की घोषणा से 'काफी पहले' अधिसूचित किए जाएंगे।

लोगों को गुमराह कर रही बीजेपी : टीएमसी

तृणमूल की मंत्री शशि पांजा ने यह कहते हुए पार्टी के रूख को दृढ़ता से सामने रखा कि हमारी पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं होगा। जो लोग लोकसभा चुनाव से पहले ऐसा वादा कर रहे हैं, वे लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कानून तो पारित कर दिया लेकिन वे अबतक नियम नहीं बना पाये। यह कुछ नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव से पहले जनसमूह को बेवकूफ बनाने की कोशिश है। सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकता को लेकर बनर्जी द्वारा उठायी गयी चिंता का जिक्र करते हुए पांजा ने कहा जिन लोगों के पास पहले से नागरिकता है, उन्हें फिर आवेदन करने की जरूरत क्यों होगी? बंगाल में सीएए कभी लागू नहीं होगा।

वोटबैंक राजनीति के चलते कर रहे विरोध : सामिक

पांजा के बयान पर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता सामिक भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस पर वोटबैंक राजनीति के चलते सीएए का विरोध करने का आरोप लगाया। पिछले सप्ताह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया था कि सीएए का क्रियान्वयन अपरिहार्य है क्योंकि यह देश का कानून है। कोलकाता में भाजपा की एक बैठक के दौरान शाह ने बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाये गये सीएए के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के उन गैर मुसलमान प्रवासियों-- हिंदुओं, सिखों, जैनों, बौद्धों , पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी जो उत्पीड़न के चलते 31 दिसंबर, 2014 तक भारत आ गये थे।

निखिल गुप्ता के परिवार को 'सुप्रीम' झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के परिवार द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की कथित साजिश के लिए अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए मामले में उनके अभियोग और प्रत्यर्पण को चुनौती देने के लिए कांसुलर पहुंच और कानूनी सहायता की मांग की गई थी।

» शीर्ष अदालत ने खारिज की याचिका
» अमेरिका में पन्नू को मारने की साजिश में काट रहे सजा

शीर्ष अदालत ने कहा कि मामला संवेदनशील है और उसे विदेशी अदालत के अधिकार क्षेत्र का सम्मान करना चाहिए। 52 वर्षीय भारतीय नागरिक गुप्ता को अमेरिकी अधिकारियों के अनुरोध पर जून 2023 में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें चेक गणराज्य में एकांत कारावास सुविधा में रखा गया है। शिकायत में गुप्ता के परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें राजनयिक पहुंच, भारत में अपने परिवार से संपर्क करने का अधिकार और कानूनी प्रतिनिधित्व लेने की स्वतंत्रता से वंचित कर दिया गया और मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की गई। याचिकाकर्ता का तर्क है कि उसकी गिरफ्तारी के आसपास की परिस्थितियों में अनियमितताएं थीं, कोई औपचारिक गिरफ्तारी वारंट प्रस्तुत नहीं किया गया था, और स्थानीय चेक अधिकारियों के बजाय स्वयं-दावा किए गए अमेरिकी एजेंटों द्वारा गिरफ्तारी को अंजाम दिया गया था।

दिल्ली एम्स में लगी आग बड़ा हादसा टला

» दमकल की कई गाड़ियां पहुंचीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में बृहस्पतिवार सुबह आग लग गई। दमकल सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है।

अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर मिली, जिसके बाद दमकल की सात गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि सुबह छह बजकर 20 मिनट तक आग पर काबू पा लिया गया। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के अनुसार, आग

अस्पताल की दूसरी मंजिल पर शिक्षण खंड में निदेशक कार्यालय के अंदर लगी। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि कुछ फाइल, कार्यालय के रिकॉर्ड, एक रेफ्रिजरेटर और कार्यालय के अंदर रखा फर्नीचर जल गया।

लखनऊ में धराशाई निर्माणाधीन बिल्डिंग मामले में ठेकेदार गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बुधवार को अवैध रूप से बेसमेंट की खुदाई के चलते नाका थाना क्षेत्र स्थित आर्यानगर में करीब एक बजे दो निर्माणाधीन बिल्डिंगें भर भरा कर गिर गई। अब इस मामले में ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इन बिल्डिंग के तिरछा होने का सिलसिला सुबह 10:30 बजे से शुरु हो गया था। इससे पुलिस ने पहुंच करके आसपास के घरों को खाली करा रस्सी बांध करके आवागमन को बंद कर दिया था, जिससे जन हानि नहीं हुई।

पुलिस ने दो परिवारों के नौ सदस्यों को तो बचा लिया, लेकिन उनके जीवन भर की गृहस्थी मलबे में दब गई। साथ ही, पड़ोसी शिवा अरोडा की बाउंडी एवं वहां पर खड़ी

स्कूटी टूट गई। इस घटना के जिम्मेदार बिल्डिंग का निर्माण करने वाले ठेकेदार दीपू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक आर्यानगर संकट मोचन मंदिर के पास भवन संख्या 288/203 निवास करने वाले कृष्ण कुमार द्विवेदी एवं अनिल कुमार द्विवेदी के पैतृक आवास थे। यह दोनो आवास प्रदेश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रानिक्स मार्केट नाका की

अवैध बेसमेंट खुदाई पर होगी कार्रवाई

उधर अपर सचिव एलडीए ज्ञानेंद्र वर्मा ने कहा है कि बेसमेंट की अवैध तरीके से खुदाई किए जाने के कारण आपस में मिले दो मकानों की बिल्डिंग भर भरा कर गिर गई। बिल्डिंग मालिक के द्वारा बेसमेंट की खुदाई के लिए एलडीए से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इसके कारण नाका कोतवाली में तहरीर दी गई, साथ ही, अन्य कार्रवाई होगी।

परिधि में हैं। केके द्विवेदी का तीन मंजिल का मकान बन चुका था, जब कि उनके भाई अनिल कुमार द्विवेदी का निर्माणाधीन था। केके द्विवेदी के द्वारा तीन मंजिल मकान के नीचे बेसमेंट की खुदाई कराई जा रहा थी।

उत्तर भारत में बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई मुसीबत

ठिठुरन बढ़ी, घरों में दुबके लोग, कई जिलों में कोहरे और बरसात को लेकर अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई इलाकों में बुधवार को बारिश हुई। कहीं कम तो कहीं ज्यादा बारिश होने से अचानक सर्दी बढ़ गई। गुरुवार को प्रदेश भर में कोल्ड डे रहने के आसार हैं। वहीं उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जम्मू कश्मीर से लेकर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और यूपी तक घना कोहरा छाया हुआ है।

कोहरे के साथ साथ बर्फीली हवाओं ने लोगों की मुसीबत को और बढ़ा दिया है। मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार, राजस्थान समेत 15 राज्यों में कोहरे की घनी परत छाई रही। घने कोहरे के चलते देश के 22 शहरों में विजिबिलिटी शून्य से 200 मीटर तक रही। विजिबिलिटी कम होने के चलते गुरुवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स लेट हो गईं। उत्तर भारत में तमाम ट्रेनें

फोटोः सुमित कुमार

22
शहरों में विजिबिलिटी शून्य से 200 मीटर तक रही

भी देरी से चल रही हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के अनुसार दक्षिणी हरियाणा के ऊपर अवस्थित पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दक्षिणी उत्तर प्रदेश में आगामी 2-3 दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने तथा बूंदा-बांदी के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि प्रदेश के मध्यवर्ती तथा उत्तरी भाग में घने कोहरे के साथ कहीं कहीं शीत दिवस होने की संभावना है।

देश के कई हिस्सों में विजिबिलिटी कम हुई

गुरुवार सुबह 5.30 देश के कई हिस्सों में विजिबिलिटी 25- 500 मीटर तक रही। उत्तर प्रदेश के बरेली में विजिबिलिटी 25 मीटर, लखनऊ में 25 मीटर, प्रयागराज में 25 मीटर, वाराणसी में 50 मीटर और गोरखपुर में 200 मीटर रही। दिल्ली के सफदरजंग में 500, पालम में 700 मीटर विजिबिलिटी रही। राजस्थान के बीकानेर में 25, जैसलमेर में 50 मीटर, कोटा में 50 मीटर, बिहार के गया में 25 मीटर, पटना में 200 मीटर विजिबिलिटी रही। घने कोहरे और विजिबिलिटी कम होने के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स डिले हो गईं। वहीं, उत्तर भारत की कई ट्रेनें भी लेट चल रही हैं. ये ट्रेनें 10-10 घंटे तक लेट हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।